an>

Title: Need to rejuvenate Tamsa, Tilodaki Ganga, Kalyani and Bisuhi rivers in eastern Uttar Pradesh.

श्री लल्लू सिंह (फ़ैज़ाबाद) ः मेरे संसदीय क्षेत्र फ़ैज़ाबाद से कई बड़ी नदियां सरयू-गोमती के साथ छोटी नदियाँ तमसा, तिलोदकी गंगा, कल्याणी, बिसुही बहती हैं। इनमें तमसा, तिलोदकी गंगा, बिसुही, कल्याणी आगे चलकर कई-कई किलोमीटर बहने के बाद सरयू और गोमती में गिरती हैं। ऐसी मान्यता है कि मांडव्य ऋषि की तपस्या से उत्पन्न तमसा नदी का उद्गम स्थल तखनीपुर गांव के पास फ़ैज़ाबाद में है जबकि रमणक ऋषि की तपस्या से उत्पन्न तिलोदकी गंगा का उद्गम भी फ़ैज़ाबाद के पंडितपुर गांव के पास है। अतीत में इन नदियों में भरपूर जल बारहों मास बहता था पर इनका वजूद अब खतरे में पड़ गया है जिससे किसानों को सिंचाई में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

अतः मेरी मांग है कि तमसा, तिलोदकी गंगा, कल्याणी और बिसुही नदी के जल प्रवाह पुनः स्थापित करने हेतु मंत्रालय इन नदियों के जीर्णोद्धार हेतु कदम उठाएं जिससे उनका वजूद बचाया जा सके तथा क्षेत्रीय किसानों की फसलों के लिए सिंचाई की समस्या दूर हो सके।